मूल्य 1 रु.
वर्षः 14 - अंक : 340, मुंबई, बुधवार, 26 मार्च, 2025 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

DESI VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

शौचालय के बाहर लगाई कुणाल कामरा की तस्वीर

शिवसैनिकों ने दी मुंह पर कालिख पोतने की

धमकी

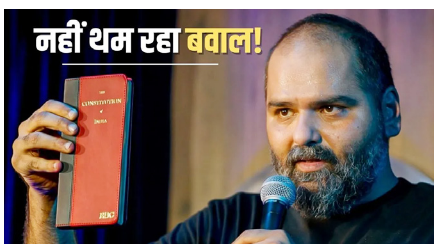

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। कुणाल कामरा की कॉमेडी से हुए विवाद में एक नया अध्याय जुड़ गया है। कुणाल कामरा ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर कॉमेडी कर दी थी, जिसमें उन्होंने बॉलीवुड के दो गीतों को फैब्रिकेटेड किया था और अपने लिखे हुए उस बोल की वजह से उन्होंने गाने के माध्यम से कथित तौर पर एकनाथ शिंदे को गद्दार बताया था। वीडियो देखने के बाद से शिवसेना के कार्यकर्ताओं का गुस्सा सातवें आसमान पर है। उन्होंने हैबिटेट स्टूडियो में जमकर तोड़फोड़ की थी और अब शिवसेना के कुछ कार्यकर्ता कुणाल कमरा की तस्वीर को शौचालय के बाहर लगाकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

‘वो मर जाएगा, लेकिन झुकेगा नहीं’

शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने कई बार कुणाल का समर्थन किया है। इस बार फिर संजय राउत ने कुणाल को सही ठहराया है। यूबीटी सांसद संजय राउत ने कुणाल कामरा मामले में कहा कुणाल कामरा को मै जानता है। वो धमकी से डरने वाला कलाकार नहीं है। वो मर जाएगा लेकिन डरेगा नहीं झुकेगा नहीं। धमकी अपने पास रखो, राज्य में सरकार है सत्ता है नहीं तो आपका भी सड़क पर चलना मुश्किल हो जाएगा। ये सत्ता और पावर की मस्ती है। कुणाल कामरा विवाद पर शिवसेना सांसद संजय राउत ने कहा, मैं उन्हें जानता हूं और वह धमकियों से कभी नहीं डर सकते।

‘मैं मराठी में नहीं बोलूंगा’

महाराष्ट्र में भाषा को लेकर मचा बवाल, मनसे कार्यकर्ताओं ने कर्मचारी को जड़ा तमाचा

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में भाषा का विवाद खत्म होते नजर ही नहीं आ रहा है। आए दिन राज्य में मराठी भाषा को बोलने को लेकर विवाद सामने आ रहा है। सोशल मीडिया में भी इस बात को लेकर हंगामा आए दिन जारी है। एक बार फिर मराठी भाषा को लेकर मनसे कार्यकर्ताओं ने उत्पाद मचाने की कोशिश की। इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। राज ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर मराठी में बात न करने पर मुंबई के एक प्रमुख सुपरमार्केट स्टोर के एक कर्मचारी को थप्पड़ मारा। पुलिस ने बताया कि घटना मंगलवार को अंधेरी (पश्चिम) के वसोर्वा में डी-मार्ट स्टोर में हुई। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में स्टोर कर्मचारी को एक ग्राहक से यह कहते हुए सुना जा सकता है, मैं मराठी में नहीं बोलूंगा, मैं केवल हिंदी में बोलूंगा।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

महाराष्ट्र विधानसभा उपाध्यक्ष का चुनाव निर्विरोध

अजित पवार के खास को मिली कुर्सी, आज औपचारिक एलान

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। जहां बीते मंगलवार को महाराष्ट्र विधानसभा के उपाध्यक्ष पद के लिए एनसीपी विधायक अन्ना बनसोडे निर्विरोध चुन लिए गए हैं। वहीं इसकी आधिकारिक घोषणा आज 26 मार्च को होगी। हालांकि सोशल मीडिया पर दिग्गज नेताओं ने उन्हें बधाई देना शुरू कर दिया है। जानकारी दें कि, सत्तारूढ़ महायुति के उम्मीदवार अन्ना बनसोडे के निर्विरोध चुने जाने की संभावना पहले से ही थी। वहीं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी एनसीपी के नेता बनसोडे अजित पवार के विश्वासपात्र माने जाते हैं। बता दें कि, उपमुख्यमंत्री अजित पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के विधायक बनसोडे इस पद के लिए महायुति के उम्मीदवार थे।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

सुले और पवार से जुड़े गोरे के तार

विधानसभा में सीएम ने छेड़ी बात तो मचा बवाल, बोले- ब्लैकमेलिंग का मामला

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र की महायुति सरकार के मंत्री जयकुमार गोरे ब्लैकमेलिंग मामले में विपक्ष का दांव उल्टा पड़ गया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को इस संबंध में बड़ा खुलासा करते हुए अप्रत्यक्ष रूप से राकां शरदचंद्र पवार पार्टी की सांसद सुप्रिया सुले एवं विधायक रोहित पवार पर साजिश रचने का आरोप लगाया है। इस मामले में टिप्पणी करते हुए मुख्यमंत्री फडणवीस ने सदन को बताया कि एनसीपी शरद चंद्र पवार की पार्टी के विधायक रोहित पवार और सांसद सुप्रिया सुले इस मामले के आरोपियों के संपर्क में थे।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

रोहित ने लगाया नया आरोप

इसी दौरान रोहित ने मंत्री गोरे पर एक नया आरोप जड़ दिया। उन्होंने कहा कि मैं यह पूछना चाहता हूं कि मातंग समाज का एक व्यक्ति अपने अधिकारों के लिए लड़ रहा है। उस पीड़ित का नाम भिसे है। 2016 में भिसे के पिता की मौत हो गई थी लेकिन मरे हुए पिता के नाम और तस्वीर का इस्तेमाल करके उसकी जमीन हड़पी जा रही है। हम इसके खिलाफ बोलना चाहते हैं लेकिन हमें बोलने नहीं दिया जाता होगा तो यह कहां तक सही होगा? भिसे परिवार को न्याय कब मिलेगा? विधायिका को उस अन्याय के खिलाफ न्याय करना चाहिए। हर विधायक को इस ओर ध्यान देना चाहिए।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

चुनौती कानून को है

न्यायिक मर्यादाओं का खुलेआम उल्लंघन करते हुए राजनीतिक शक्ति का बेलगाम प्रदर्शन किया जाने लगे, तो फिर इंसाफ की अपेक्षाएं धूल मिल जाएंगी। इसलिए यह अपेक्षित है कि महाराष्ट्र सरकार स्टूडियो पर हमला करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का संदेश दे।

स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा के कटाक्ष अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दायरे में आते हैं या नहीं अथवा ऐसी कॉमेडी में क्या अश्लीलता के पुट हैं, यह अलग मुद्दा है। आहत हर व्यक्ति को अधिकार है कि वह ऐसे व्यंग्य को अदालत में चुनौती दे। संवैधानिक प्रावधानों एवं भावना के मुताबिक इस पर निर्णय लेना न्यायपालिका के अधिकार क्षेत्र में आता है। मगर ऐसे मामलों में सीधा कानून अपने हाथ में लेना कानून की सत्ता को चुनौती देना है। ऐसी कार्रवाइयों को राजनेताओं भी समर्थन मिला दिखे, तो फिर यही माना जाएगा कि संबंधित प्रदेश में संवैधानिक व्यवस्था भंग हो चुकी है। अगर हमले पहले से एलान कर किए जाएं और फिर भी संबंधित व्यक्ति या निशाना स्थल को पर्याप्त सुरक्षा ना दी जाए, तो बात और ज्यादा संगीन हो जाती है। महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सहित कई सत्ताधारी नेताओं के खिलाफ कटाक्ष पर कामरा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई (चाहे यह जिन धाराओं में कराई गई हो), तो उस पर किसी को वैधानिक एतराज नहीं हो सकता। लेकिन जिस तरह उन्हें हिंसक धमकियां दी गईं और जिस स्टूडियो में उनका शो रिकॉर्ड हुआ था (जिसके मालिक वो नहीं हैं) उसे लगभग ध्वस्त कर दिया गया, उससे मुंबई में कानूनी व्यवस्था के कारगर रह जाने को लेकर गंभीर सवाल खड़े हुए है। स्टूडियो पर महानगर पालिका के बुल्डोजरों का भी इस्तेमाल हुआ- इसकी पूरी अनदेखी करते हुए कि सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे त्वरित बुल्डोजर न्याय पर प्रतिबंध लगा रखा है। न्यायिक मर्यादाओं का खुलेआम उल्लंघन करते हुए राजसत्ता एवं राजनीतिक शक्ति का ऐसा बेलगाम प्रदर्शन किया जाने लगे, तो फिर देश में इंसाफ की अपेक्षाएं धूल मिल जाएंगी। इस बिंदु पर यह सबको अवश्य याद कर लेना चाहिए कि जो समाज जिसकी लाठी, उसकी भैंस के सिद्धांत से चले हैं, उन्होंने अपने यहां अराजकता और तबाही को आमंत्रित किया है। इसलिए यह अपेक्षित है कि महाराष्ट्र सरकार सियासी तकाजों से उठ कर स्टूडियो पर हमला करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का संदेश दे। साथ ही सत्ताधारी नेताओं के लिए जरूरी है कि वे कानून के प्रति अपनी अखंड निष्ठा जताएं।

शक्तिपीठ हाईवे के संबंध में स्थानीय किसानों को विश्वास में लें विधायक डॉ. विश्वजीत कदम की विधानसभा में मांग!

मुंबई हलचल/संवाददाता

सांगली। विधानसभा में विधायक डॉ. विश्वजीत कदम ने किसानों के सवालों और समस्याओं को समझकर राजमार्गों के संबंध में निर्णय लिया जाना चाहिए कहा। शक्तिपीठ राजमार्ग विदर्भ और पश्चिमी महाराष्ट्र से होकर गुजरेगा। यह राजमार्ग सांगली और कोल्हापुर जिलों से होकर गुजरेगा। लेकिन इस राजमार्ग को लेकर किसानों में असंतोष है। तो फिर सरकार को इस राजमार्ग के बारे में स्थानीय किसानों को विश्वास में लेना चाहिए। इस राजमार्ग के संबंध में निर्णय लेने से पहले उनके प्रश्नों, कठिनाइयों और समस्याओं को समझा जाना चाहिए। यह मांग विधायक डॉ. विश्वजीत कदम ने विधानसभा में की। इस अवसर पर विधायक डॉ. विश्वजीत कदम

ने कहा, शक्तिपीठ राजमार्ग विदर्भ से पश्चिमी महाराष्ट्र तक जा रहा है। लेकिन जिन किसानों की जमीन से यह राजमार्ग गुजरेगा, उन्हें कितना नुकसान होगा? सरकार को इसका अध्ययन करने की आवश्यकता है। जिन किसानों के पास खेती योग्य जमीन है, विशेषकर सांगली और कोल्हापुर जिले के किसान, जिनकी जमीनें जाने वाली हैं। सरकार को यहां के किसानों से इस बारे में चर्चा करनी चाहिए। क्योंकि सांगली और कोल्हापुर जिले राज्य में गन्ना उत्पादन में अग्रणी हैं। उन किसानों की खेती योग्य जमीन, जो अच्छी पैदावार देती है, का कितना नुकसान होगा? हमें इस बारे में उनसे बात करनी चाहिए और उन्हें विश्वास में लेना चाहिए। हमें उनकी समस्याओं को समझना चाहिए। हमें उनकी भावनाओं को समझना चाहिए. इसके बाद ही सरकार को शक्तिपीठ हाईवे के संबंध में कोई निर्णय लेना चाहिए। यह मांग विधायक डॉ. विश्वजीत कदम ने बजट सत्र में बोलते हुए की।

अनंत नेशनल यूनिवर्सिटी के प्लेसमेंट सीजन की धमाकेदार शुरूआत

मुंबई हलचल/संवाददता

मुंबई। अनंत नेशनल यूनिवर्सिटी की क्लास 2025 के विद्यार्थियों का प्लेसमेंट बड़े ही शानदार तरीके से शुरू हुआ है। इसके आरंभिक चरण में विभिन्न सेक्टरों की 55 से ज्यादा प्रतिष्ठित कंपनियाँ भाग ले रही हैं। इन कंपनियों में पुराने और नये रिक्रूटर्स का शामिल होना इंडस्ट्री के साथ अनंत का मजबूत जुड़ाव और डिजाइन तथा आर्किटेक्चर में उसकी बढ़ती प्रतिष्ठा दिखाता है। प्रमुख रिक्रूटर्स में उद्योग के दिग्गज शामिल थे, जैसे कि सिटिक्स, हाइडसाइन, वरमोरा, सैवी इलेक्ट्रिक व्हीकल्स प्राइवेट लिमिटेड, कैंटीलिवर लैब्स, लिटरसॉफ्ट जीएमबीएच, आईआईटी कानपुर, आईआईटी गांधीनगर, आर्किटेक्ट हफीज कॉन्ट्रैक्टर, एफ1 स्टूडियोज, आईएनआई डिजाइन स्टूडियो, मैटर मोटर्स और एचसीपी डिजाइन, प्लानिंग एण्ड मैनेजमेंट प्रा. लि.। हालिया वर्षों में अनंत के विद्यार्थियों ने 125 से ज्यादा

अग्रणी कंपनियों में नियुक्ति पाई है, जैसे कि फोनपे, अमर चित्र कथा, यूनाइटेड नेशंस ऑर्गेनाइजेशन, स्विगी, एक्सेंचर, टीसीएस, जनरल मोटर्स (टीसीएस डिजाइन स्टूडियो), स्टूडियो कार्बन, पीपुल डिजाइन, वनथिंग डिजाइन, लेसर्ड डिजाइन, इंक. और सैनवीयो, इंक.। यह कंपनियाँ विभिन्न सेक्टरों और इंडस्ट्री सेगमेंट्स से आती हैं, जैसे कि यूएक्स/ यूआई डिजाइन, गेम एण्ड टॉय डिजाइन, फर्नीचर एण्ड इंटीरियर डिजाइन, एनिमेशन, फिल्ममेकिंग, पैकेजिंग डिजाइन, ब्रैंड डिजाइन, ऑटोमोटिव डिजाइन, ऑगमेंटेड एण्ड वर्चुअल रियालिटी, हेल्थकेयर और आउटडोर स्पेस डिजाइन। इसमें भाग लेने वाली कंपनियों की संख्या और विविधता विद्यार्थियों का सफल कॅरियर बनाने में मार्गदर्शन के लिये अनंत की प्रतिबद्धता दिखाती है। अनंत का कॅरियर सर्विसेस ऑफिस (सीएसओ) यह सुनिश्चित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है कि विद्यार्थियों को वांछित अवसर मिलें, जो कॅरियर के सम्बंध में उनके लक्ष्यों के अनुसार हों। कॅरियर-सम्बंधी परामर्श, कौशल निर्माण की कार्यशालाओं, उद्योगों के विजिट और उद्योग के विशेषज्ञ पेशेवरों से मेंटरशिप के साथ सीएसओ नियुक्ति या प्लेसमेंट में 100% सहायता प्रदान करता है। इससे सुनिश्चित होता है कि विद्यार्थियों को वे कुशलताएं मिल सकें, जो नियोक्ता उनसे चाहते हैं। उन कंपनियों के साथ मजबूत रिश्ते भी बनाये जाते हैं, जहाँ अनंत के भूतपूर्व विद्यार्थी हों और इससे यूनिवर्सिटी के प्लेसमेंट नेटवर्क का विस्तार होता है। उद्योग के लिये तैयार पेशेवर गढ़ने के बारे में बात करते हुए, अनंत नेशनल यूनिवर्सिटी के प्रोवोस्ट डॉ. अनुनया चौबे ने कहा, अनंत में हम रचनात्मकता, विश्लेषणात्मक चिंतन और दुनिया की तार्किक समझ को बढ़ावा देते हैं। हम विद्यार्थियों को सशक्त करते हैं, ताकि वे समस्याओं को हल करने में उस्ताद बनें और स्थानीय तथा वैश्विक चुनौतियों के लिये संवहनीय समाधान तैयार करें। समस्याओं को हल करने की योग्यता को नियोक्ता बहुत महत्व देते हैं और यह वैश्विक अध्ययनों में दिखता है।

कानपुर में कार हटाने के विवाद में वकील को बैसाखी से पीटकर मार डाला

मुंबई हलचल/संवाददाता

कानपुर। यहां गाड़ी हटाने के म विवाद में एक युवा वकील की बैसाखी मारकर हत्याकर दी गई।घटना में पुलिस एक विकलांग की तलाश कर रही है। यह घटनाकल्याणपुर खुर्द इलाके में हुई। घटना के बाद आरोपी अपनी पत्नी और बच्चों को लेकर फरार हो गया है। मामले में कल्याणपुर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। घटना के बारे में प्राप्त जानकारी के मुताबिक कल्याणपुर खुर्द निवासी राजेश सिंह (40) पेशे से वकील थे और प्रापर्टी का भी काम करते थे। परिवार में पत्नी क्षमा सिंह, दो बेटियां निशी (10) और नेहा (5) हैं। इनके अलावा परिवार में पिता गंगा सिंह है, जिनकी परचून की दुकान है। पिता गंगा सिंह के मुताबिक घटना के समय राजेश अपनी पत्नी और बच्चों के साथ कहीं से घूमकर घर लौट रहे थे। यहीं पर घर से महज 100 मीटर की दूरी पर आरोपी धीरज तिवारी रेलवे में कर्मचारी रहे बीएन शर्मा के घर पर किराए पर रहता है। पुलिस के अनुसार आरोपी धीरज तिवारी किराए पर तीन गाड़ियां चलवाता है। घटना के समय उसने अपने घर के बाहर दो गाड़ियां ऐसे खड़ी कर दी कि तीसरे के निकलने का स्थान नहीं बचा। इसी बीच राजेश अपनी गाड़ी लेकर आए। इस बीच जगह न होने के कारण उन्होंने हार्न बजाया। कई बार हार्न बजाने के बाद भी कोई प्रतिक्रिया न होने पर उन्होंने धीरज के मकान का दरवाजा खटखटाया तो वो नशे की हालत में अंदर से गालियां देने लगा। बस इसी बात पर बात बढ़ गईऔर विकलांग धीरज तिवारी ने उसके सिर पर बैसाखी का प्रहार तब तक किया ,जब तक उसकी मौत नहीं हो गई। फिलहाल पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

ऑल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन की जानिब से रमजान में पूरा महीना महिलाओं की शानदार रोजा इफ्तारी

1500 महिलाएं करती हैं तीसो दिन रोजा इफ्तारी

मुंबई हलचल/शोएब म्यानुंर

मुंबई। मुंबई के नाखुदा मोहल्ला बेग मोहम्मद बाग में ऑल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन के ग्राउंड में ऑल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन के प्रेसिडेंट इकबाल मेमन ऑफिसर की सदारत में दिनिश्वराने कौम की जानिब से रमजान का पुरा महीना तीसो दिन महिलाओं के लिए अनोखी और रोजा इफ्तारी का शानदार आयोजन ऑल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन के ग्राउंड में हर साल किया जाता है। इस रोजा इफ्तारी में तकरीबन 1200 से 1500 महिलाएं रोजाना तीसो दिन रोजा इफ्तारी करती हैं। नाखुदा मोहल्ला लेडिज के लिए एक बड़ा कपड़ों का मार्केट है जिसमें दुर दराज से महिलाएं कपड़े की खरीदारी के लिए आती हैं महिलाओं के लिए रोजा इफ्तारी का कोई बंदोबस्त नहीं होता है जिसके चलते ऑल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन की तरफ से 'ऑल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन के प्रेसिडेंट इकबाल मेमन ऑफिसर' की जेरे परस्ती में उनके हाथों से पुरा महीना महिलाओं के लिए रोजा इफ्तारी का शानदार आयोजन किया जाता है साम के वक्त ग्राउंड खचो खच भर जाता है और इफ्तारी के लिए पानी की बोटल, खजुर, फल फ्रूट, भजीया, पकोड़ा, कटलेस, कबाब, लड्डू जैसी अनेकों आईटम रोजा इफ्तारी के लिए एक डब्बे में दिए जाते हैं। और इस तरहां पुरा महिना महिलाओं के लिए खास रोजा इफ्तारी का बंदोबस्त ऑल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन की तरफ से कीया जाता है। जो वाकई में तारीफे काबील है जिसके लिए हम लोग ऑल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन को हमारे अखबार के माध्यम से मुबारकबादी देते हैं। ऑल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन हमेशा ऐसे कार ए खैर के कामों को अंजाम दिया करती है। जरुरतमंद लोगों को मकान में सहायता करना, मेडिकल के मदद करना, बेवा और यतीम महिलाओं को हर महीने खर्ची देना, कॉम्युनिटी के लोगों को पांव पर खड़ा करने के लिए 0 पर्सेंट पर लोन देना, इंडस्ट्रीयल सेंटर के माध्यम से लड़कीयों को हुनर सिखाना, जिस में सिलाई काम, महेंदी कोर्स, ब्युटी पार्लर कोर्स, कॉम्प्युटर कोर्स करवाने में मदद करती है। और हमेशा कार ए खैर के कामों को अंजाम देती रेहती है।

इस आईपीएल, मेन ऑफ प्लैटिनम के साथ मनाइए एमएस धोनी की अटूट विरासत का जश्न!

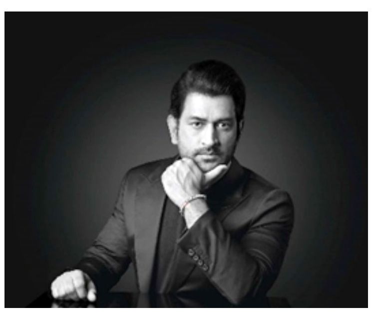

मुंबई। आईपीएल का सीजन शुरू होते ही क्रिकेट का जुनून सबके सर चढ़ कर बोल रहा है। थाला एक बार फिर पीली जर्सी पहनने के लिए तैयार हैं, जिससे पूरे देश के फैन्स में जोश भर गया है। हर एमएस धोनी के फैन्स के लिए यह सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि विश्वास, धैर्य और अमर पलों से जुड़ा एक अटूट रिश्ता है। तो इस सीजन इस महान खिलाड़ी को सम्मान दें और अपने फैनडम को गर्व से पहनें मेन ऑफ प्लेटिनम एक्स एमएस धोनी सिग्नेचर एडिशन के साथ। बड़ी ही बारीकी से बना यह दुर्लभ प्लैटिनम एक ऐसा धातु है, जो क्रिकेट के इस महानायक की विरासत की तरह अटूट और अमर है। यह सिर्फ ज्वेलरी नहीं, बल्कि एक ऐसा जरिया है जिससे फैंस अपना प्यार दिखा सकते हैं, धोनी की विरासत का जश्न मना सकते हैं और उनकी बेमिसाल भावना की निशानी को हर जगह अपने साथ ले जा सकते हैं। 95% प्लैटिनम से बने इसके हर पीस को पूरे आकर्षण, दमदार डिजाइन और बड़ी ही बारीकी से तैयार किया गया है, और साथ ही इसमें धोनी के सिग्नेचर को उकेरा गया है, जो उनके शानदार क्रिकेट के सफर का प्रतीक है। चाहे वह बोल्ड ब्रेसलेट हो, स्लीक चेन हो या स्टेटमेंट रिंग, हर डिजाइन अपनी क्लासिक सुंदरता से फैशन को मनोरंता से जोड़ता है। इस आईपीएल सीजन, अपने गेम-डे लुक को नए लेवल पर ले जाएं प्लैटिनम ज्वेलरी के साथ, जो धोनी की दिग्गज भावना को हर जगह आपके साथ रखती है। सिग्नेचर कलेक्शन के बारे में बात करते हुए एमएस धोनी ने बताया कि, मेरे क्रिकेट के सफर के दौरान, हर चुनौती, जीत और सीख ने मुझे नया आकार दिया है। ऐसे मूल्य सिखाए हैं जो मुझे जीवन और मैदान दोनों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। प्लैटिनम दुर्लभ, मजबूत और हमेशा टिकने वाला धातु है, ठीक उसी तरह जैसे हर चुनौती का सामना करने के लिए चाहिए जाने वाला जज्बा। मेरे लिए, प्लैटिनम ज्वेलरी पहनना संघर्ष और सहनशीलता की याद दिलाता है। यही कारण है कि मेन ऑफ प्लेटिनम के साथ यह सहयोग मेरे लिए खास है। इस कलेक्शन का हर पीस सिर्फ एक ट्रेंड नहीं, बल्कि समय से परे एक प्रतीक है। जो धैर्य, आत्म-अभिव्यक्ति और आगे बढ़ते रहने के जुनून को दिखाता है। यहां देखिए मेन ऑफ प्लेटिनम के एमएस धोनी सिग्नेचर एडिशन के कुछ शानदार पीस, जो पहनने वालों में भी वही महानता की भावना जगाने के लिए डिजाइन किए गए हैं। चाहे आप स्टेडियम में बैठकर टीम को चीयर कर रहे हों, किसी लाउंज में मैच का रोमांच ले रहे हों, या एक्सक्लूसिव स्क्रीनिंग होस्ट कर रहे हों। आपका गेम-डे लुक को और भी निखारने की दरकार है। इन खास ज्वेलरी पीसेस के साथ, जो कॉन्फिडेंस, स्टाइल और अटूट विनिंग स्पिरिट को दर्शाते हैं, अपने लुक को और भी खास बनाएं।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

'मैं मराठी में नहीं बोलूंगा'

तुम्हें जो करना है कर लो। जब मनसे को कर्मचारी की टिप्पणियों के बारे में पता चला, तो पार्टी की वसोर्वा इकाई के अध्यक्ष संदेश देसाई के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं का एक समूह स्टोर पर पहुंचा और कर्मचारी को कथित तौर पर थप्पड़ मारा। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर भी सामने आया है। अधिकारियों ने कहा कि स्टोर कर्मचारी ने बाद में अपने व्यवहार के लिए माफी मांगी। इससे पहले भी ऐसे कई मामले सामने आ चुके है। इससे पहले हाल ही में आरएसएस के सीनियर नेता भैया जी जोशी ने कहा था कि मुंबई में रहने के लिए मराठी भाषा का आना जरुरी नहीं है। उनके इस बयान के बाद काफी विवाद हुआ था, जिसके बाद उन्हें खेद प्रकट करना पड़ा था।

शौचालय के बाहर लगाई कुणाल कामरा की तस्वीर

इतना ही नहीं इंदौर के इन शिवसैनिकों ने कुणाल कामरा के मुंह पर कालिख पोतने की भी धमकी दी है। शिवसेना की युवा शाखा की मध्यप्रदेश इकाई के अध्यक्ष अनुराग सोनार ने कहा है कि कुणाल कामरा कॉमेडी के नाम पर लोगों को गंदगी परोस रहे हैं। उनकी गंदी मानसिकता के खिलाफ विरोध जताने के लिए हमने उनकी तस्वीर शौचालय के बाहर लगाई है। वह अगर मध्य प्रदेश आए तो उनका मुंह काला करके सड़क पर उन्हें घुमाया जाएगा। अनुराग सोनार की अध्यक्षता में शिवसेना के कार्यकर्ता मध्य प्रदेश के इंदौर में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। यह विरोध प्रदर्शन बंगाली स्क्वायर स्थित एक सार्वजनिक शौचालय के बाहर किया गया। मध्य प्रदेश में कुणाल कामरा के खिलाफ हो रहे इस विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में शिवसेना के कार्यकताओं ने हिस्सा लिया और वह कुणाल कामरा की कॉमेडी की खिलाफत करते हुए नजर आ रहे थे। वह कॉमेडियन कुणाल कामरा के खिलाफ नारे लगा रहे थे। कुणाल कामरा से वह माफी मांगने की बात कर रहे थे। लेकिन कुणाल कामरा ने भी अपने एक बयान में माफी मांगने से इनकार कर दिया है। कुणाल कामरा के बयान से महाराष्ट्र के सियासत में भूचाल आ गया है। इस मुद्दे पर राजनीति भी शुरू हो गई है। उद्धव ठाकरे की शिवसेना के नेता संजय राउत ने भी कुणाल कामरा का समर्थन किया है।

महाराष्ट्र विधानसभा उपाध्यक्ष का चुनाव निर्विरोध

पिछले सप्ताह ही मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस (भाजपा) और उपमुख्यमंत्री अजित पवार एवं एकनाथ शिंदे (शिवसेना) की मौजूदगी में हुई बैठक में बनसोडे के नाम पर मुहर लगाई गई थी। गौरतलब है कि, अन्ना बनसोड़े महाराष्ट्र के पिंपरी से तीन बार विधायक रह चुके हैं और अनुसूचित जाति से हैं। वहीं वे अजित पवार के बेहद करीबी सहयोगी भी माने जाते हैं। हालांकि, उनकी उम्मीदवारी को लेकर पार्टी में पहले से ही चर्चा जोरों पर थी और अब आधिकारिक रूप से भी उनके नाम पर सहमति बनने का बाद वे निर्विरोध चुन लिए गए हैं। देखा जाए तो विधानसभा उपाध्यक्ष का यह पद विधानसभा के भीतर शक्ति संतुलन को प्रभावित करेगा। वहीं अब अन्ना बनसोड़े की नियुक्ति से अजित पवार की एनसीपी को अनुसूचित जाति के मतदाताओं के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने में भरपूर मदद मिल सकती है। वहीं इस निर्णय का चलते अजित पवार की पार्टी एनसीपी को विधानसभा में अधिक प्रभावी भूमिका निभाने का भी अवसर मिलेगा।

सुले और पवार से जुड़े गोरे के तार

महाराष्ट्र विधानमंडल के बजट सत्र के दौरान मंत्री धनंजय मुंडे के इस्तीफे से और मंत्री माणिकराव कोकाटे को कोर्ट से मिली सजा के बीच मंत्री जयकुमार गोरे पर महिला को आपत्तिजनक तस्वीरें भेजने का आरोप लगा था। विपक्ष द्वारा गोरे के इस्तीफे की मांग किए जाने के दौरान एक पत्रकार एवं मामले की कथित पीड़िता को एक करोड़ रुपए की फिरौती वसूलने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इस मामले में सीएम फडणवीस ने कहा कि जयकुमार गोरे के साथ जो हुआ, उसे किसी का राजनीति करियर खत्म करने की साजिश कहा जा सकता है। लेकिन गोरे के साहस की सराहना की जानी चाहिए। पुलिस ने जाल बिछाकर आरोपी को पकड़ लिया है। गोरे से जुड़ी घटना महत्वपूर्ण है। इन आरोपियों के तार राकां शरदचंद्र पवार पार्टी की सांसद सुप्रिया सुले और विधायक रोहित पवार से जुड़े हैं। सुप्रिया और रोहित ने पत्रकार तुषार खरात को कई बार फोन किया था। मंत्री जयकुमार गोरे द्वारा लाए गए विशेषाधिकार हनन के प्रस्ताव पर बोलते हुए विधायक रोहित पवार ने कहा कि इस सदन में एक व्यक्ति ने विशेषाधिकार हनन का मामला पेश करने के दौरान सदन को गलत जानकारी दी।

एकतरफा प्यार और छेड़छाड़, आशिक दोबारा पहुंचा थाने, प्यार की सनक देख दंग रह गई लड़की

नागपुर। उपराजधानी में एकतरफा प्यार के चक्कर में पागल एक सिरफिरे आशिक की घिनौनी करतूत सामने आई। यह हैरान कर देने वाली वारदात प्रतापनगर थाना क्षेत्र में हुई, जिसमें 26 वर्षीय युवती द्वारा प्यार करने से मना करने के बाद भी सनकी प्रेमी उसका पीछा करता रहा और बार-बार छेड़छाड़ करता रहा। इससे त्रस्त युवती ने आखिर अपनी शिकायत प्रतापनगर थाने में दर्ज कर 32 वर्षीय सनकी आशिक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसका इश्क का भूत उतार दिया। बता दें कि, सनकी आशिक 32 वर्षीय प्रेम (काल्पनिक नाम) है। उसने 12वीं तक शिक्षा प्राप्त की है और एक निजी कंपनी में काम करता है। उसी कंपनी में पीड़ित 26 वर्षीय युवती प्रिया (काल्पनिक नाम) काम करती है। प्रिया को प्रेम पसंद नहीं था। उसकी प्रेम से बात करने की कोई इच्छा नहीं रहती थी। प्रारंभ में, कार्यालय के काम के लिए बोलना आवश्यक था। लेकिन प्रिया अगर उसे देख हंस दे तो वह उसे अपना प्यार समझ बैठा था। लेकिन उसकी गलतफहमी थी। लेकिन प्रिया के दिल में उसके प्रति कोई भी चाहत नहीं थी। लेकिन प्रेम का दिल नहीं मानता था। वह प्रिया को हंसता देख अपने प्रति प्रेम की भावना संजोता था। वह प्रिया को अपना प्यार मानकर बैठ गया। इसी गलतफहमी के कारण प्रेम उसके करीब आने लगा। वह उससे बात करने का कोई भी अवसर नहीं चूकता था।

खबर संक्षेप

इंडियाज गॉट लैटेंट विवाद पर रैना ने मांगी माफी

मुंबई। समय रैना ने 'इंडियाज गॉट लैटेंट' से जुड़े विवाद, मामले में जो बयान महाराष्ट्र साइबर सेल सामने दर्ज कराया है, उसमें अपनी गलती को स्वीकार कर लिया है। समय ने यह भी कहा है कि वे सावधनी रखेंगे, जिससे ऐसी घटना दोबारा न हो। शो पर माता-पिता को लेकर अश्लील टिप्पणी की गई। उसके लिए मुझे दुख है।

जवानों ने नक्सलियों को घेरा, 5 को कर दिया ढेर!

दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा और बीजापुर सीमा पर मंगलवार सुबह पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में पांच नक्सलियों के मारे जाने की सूचना है। लेकिन तीन के शव बरामद हो गए हैं। हथियार भी बरामद किए हैं। इंसास, 303, 315 बोर बंदूक बरामद की। 500 से ज्यादा जवानों ने बड़े लीडरों को घेरा है।

सुरभि की हत्या में अब तक 5 आरोपी गिरफ्तार

पटना। बिहार की राजधानी पटना में एशिया हॉस्पिटल की डायरेक्टर सुरभि राज की अस्पताल के सेकंड फ्लोर चेंबर में शनिवार को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। गर्लफ्रेंड को लेकर अस्पताल की डायरेक्टर की हत्या उनके पति और दोस्तों ने ही मिलकर की थी। पुलिस ने सुरभि के पति सहित उनकी गर्लफ्रेंड और तीन अन्य साथियों को गिरफ्तार कर लिया है।

राव ने अवैध पैसे से सोना खरीदने की बात मानी

बेंगलुरु। दुबई से सोना तस्करी मामले में गिरफ्तार कन्नड़ अभिनेत्री रन्या राव ने अपनी जमानत सुनवाई के दौरान कबूल कर लिया है कि उसने सोना खरीदने के लिए हवाला के जरिए से पैसे ट्रांसफर किए थे। कोर्ट ने जमानत पर सुनवाई का फैसला 27 मार्च तक सुरक्षित रख लिया है। राजस्व खुफिया निदेशालय ने अपनी दलील पेश कर दी है।

लोकसभा से वित्त विधेयक 2025 पारित, वित्त मंत्री ने दिया जवाब

करदाताओं को होगी राहत, सीमा शुल्क में बदलाव से विनिर्माण-निर्यात को गति मिलेगी

नए आयकर विधेयक पर संसद के अगले मानसून सत्र में चर्चा

ये भी कहा-समानीकरण शुल्क समाप्त किया जाएगा

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

लोकसभा ने 35 सरकारी संशोधनों को शामिल करने के बाद वित्त विधेयक 2025 पारित कर दिया। इससे पहले, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त विधेयक 2025 को करदाताओं के लिए अभूतपूर्व कर राहत देने वाला बताया।

लोकसभा में बोलते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि इस विधेयक के जरिए मध्यम वर्ग और व्यवसायों को राहत मिलने की उम्मीद है। इस दौरान वित्त मंत्री सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में अहम कर सुधारों का संकेत दिया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय आर्थिक अनिश्चितता को दूर करने के लिए ऑनलाइन विज्ञापनों पर लगने वाला समानीकरण शुल्क समाप्त किया जाएगा। इसके साथ ही वित्त मंत्री ने बताया कि एक लाख करोड़ रुपए के राजस्व नुकसान के बावजूद 2025-26 में व्यक्तिगत आयकर संग्रह में 13.14 फीसदी की वृद्धि का अनुमान यथार्थवादी है।

नए आयकर विधेयक की प्रवर समिति कर रही जांच

सीतारमण ने यह भी कहा कि सीमा शुल्क में तर्कसंगत बदलाव से देश में विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा, निर्यात को गति मिलेगी और आम जनता को महंगाई से राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि नए आयकर विधेयक पर संसद के अगले मानसून सत्र में चर्चा होगी। लोकसभा में वित्त विधेयक 2025 पर चर्चा का जवाब देते हुए सीतारमण ने कहा कि नया आयकर विधेयक, जिसे 13 फरवरी को सदन में पेश किया गया था, वर्तमान में प्रवर समिति की ओर से जांचा जा रहा है।

मानसून सत्र में पेश करेंगे

प्रवर समिति को संसद के अगले सत्र के पहले दिन तक अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। सीतारमण ने कहा कि हम नए आयकर विधेयक को मानसून सत्र में लाएंगे। संसद का मानसून सत्र आमतौर पर जुलाई में आयोजित होता है और अगस्त तक चलता है।

यह विधेयक 1961 के आयकर अधिनियम का आधा

आयकर विभाग ने पहले कहा था कि सरलीकृत आयकर विधेयक, जो 1961 के आयकर अधिनियम का आधा है, मुकदमेबाजी और नई व्याख्या की गुंजाइश को कम करके कर निश्चितता हासिल करने का प्रयास करता है। नए विधेयक में शब्दों की संख्या 2.6 लाख है, जो आईटी अधिनियम में 5.12 लाख से कम है। मौजूदा कानून में 819 प्रभावी धाराओं के मुकाबले इसमें धाराओं की संख्या 536 है। अध्यायों की संख्या भी 47 से घटाकर आधी 23 कर दी गई है। आयकर विधेयक 2025 में मौजूदा अधिनियम में 18 तालिकाओं की तुलना में 57 तालिकाएं हैं और 1,200 प्रावधान व 900 स्पष्टीकरण हटा दिए गए हैं।

चौहान को दलाल बोला तो भाजपा ने की माफी की मांग

तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बेनर्जी ने कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान पर अमीरों के "दलाल" (बिचौलिया) के रूप में काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने बंगाल के लंबित केंद्रीय फंड को लेकर भी केंद्र पर निशाना साधा। संसद के बाहर बेनर्जी ने आरोप लगाया कि मनरेगा और पीएम आवास योजना-ग्रामीण जैसी योजनाओं के लिए पश्चिम बंगाल को केंद्र सरकार ने पिछले 3 वर्षों से फंड जारी नहीं किया गया है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा राज्य में सरकार बनाने में विफल रहने के कारण, बंगाल के साथ भेदभाव कर रही है।

लोकसभा में हंगामा

मंगलवार को लोकसभा में द्रमुक और तृणमूल कांग्रेस के सांसदों ने मनरेगा योजना के तहत कुछ राज्यों को भुगतान में कथित देरी के खिलाफ प्रदर्शन किया। जिससे प्रश्नकाल के दौरान सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित करनी पड़ी। उन्होंने दावा किया कि चौहान और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बंगाल के खिलाफ हैं। वे वहां सरकार बनाना चाहते हैं, लेकिन विफल हो रहे हैं। वे कभी भी वहां सत्ता में नहीं आएंगे।

भाजपा का पलटवार

भाजपा ने इस टिप्पणी पर तुरंत पलटवार किया और केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भगीरथ चौधरी ने शिवराज चौहान के खिलाफ "आपत्तिजनक" भाषा के इस्तेमाल को लेकर कल्याण से माफी की मांग की। उन्होंने कहा कि यह सही नहीं है। एक वरिष्ठ सांसद को इस तरह की भाषा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। पीएम मोदी 'सबका साथ, सबका विकास' के सिद्धांत पर काम कर रहे हैं। किसी भी राज्य के साथ भेदभाव नहीं किया गया है, सभी को उनका हिस्सा मिल रहा है।

भाटिया ने 'राजदूत के बयान' पर कहा

गांधी परिवार से क्वात्रोची का क्या संबंध सोनिया और राहुल करें खुलासाः भाजपा

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भाजपा ने बोफोर्स मुद्दे पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मांग की कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी को क्वात्रोची परिवार के साथ अपने संबंधों का पूरा खुलासा करने तक अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने मंगलवार को दावा किया कि 1984-1988 के बीच इटली में भारत के राजदूत ने बयान दिया है कि (पूर्व प्रधानमंत्री) राजीव गांधी बोफोर्स के मुख्य सूत्रधार थे और उनके (व्यापारी) ओटावियो क्वात्रोची के साथ बहुत करीबी संबंध थे। तत्कालीन कैग ने कहा कि प्रतिस्पर्धी तोपों के मूल्यांकन में गंभीर खामियां थीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में भ्रष्टाचार है, दलाली है और गांधी परिवार केवल कमीशनखोरी करता है, ये जगजाहिर है। लेकिन इसके साथ जो तथ्य सामने आए हैं, उससे ये कहना भी गलत नहीं होगा कि नकली गांधी परिवार देश के साथ गद्दारी भी करता है, ये नागरिकों के साथ गद्दारी करता है।

भाटिया ने कहा कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए, जब तक कि वे क्वात्रोची परिवार के साथ अपने संबंधों का पूरा खुलासा नहीं कर देते। देश के नागरिकों के लिए वे कम से कम इतना तो कर ही सकते हैं। उन्होंने कहा कि एक लेखक हैं चित्रा सुब्रमण्यम, उनकी एक किताब आई है और इस किताब में जो तथ्य सामने आए हैं वो बेहद ही चिंताजनक हैं। ये तथ्य पुनः उजागर करते हैं कि चाहे वो राजीव गांधी हों या सोनिया गांधी, ये दलाली भी करेंगे और देश के साथ गद्दारी भी करते हैं। उन्होंने कहा कि बोफोर्स की दलाली, राजीव गांधी और सोनिया गांधी के दामन पर एक ऐसा दाग है जो कभी नहीं मिटेगा। लेकिन जो तथ्य अब सामने आए हैं, उससे राष्ट्र सुरक्षा को लेकर कुछ सवाल हम उठाना चाहते हैं।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि बोफोर्स घोटाले में इतालवी व्यवसायी तावियो क्वात्रोची की मुख्य भूमिका थी। उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी और सोनिया गांधी के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखे और खुलेआम दावा किया कि वे कंपनियों के लिए सरकारी अनुबंध हासिल कर सकते हैं। क्वात्रोची के पास भारतीय प्रधानमंत्री से पहले ही प्रमुख रक्षा सौदों से जुड़ी गोपनीय सरकारी फाइलों तक पहुंच थी। राजीव गांधी के कार्यकाल के दौरान, क्वात्रोची ने विशिष्ट कंपनियों के पक्ष में बदलाव किए और अनुबंध हासिल किए, जिसमें राजीव गांधी ने इन बदलावों में मदद की।

यूएन में जम्मू-कश्मीर के मामले पर पाकिस्तान को लताड़ लगाते हुए बोले भारत के राजदूत पी. हरीश

भारत का अभिन्न अंग है और हमेशा रहेगा जम्मू-कश्मीर, पाक खाली करेगा अवैध कब्जा

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में बार-बार जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाकर दुनिया को भ्रमित करने वाले पाकिस्तान को भारत ने मंगलवार को जमकर खरी खोटी सुनाई। यूएन में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पार्वथानेनी हरीश ने कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और हमेशा रहेगा। पाकिस्तान ने इसके एक भाग पर (पीओके) अवैध ढंग से कब्जा किया हुआ है। इसलिए उसे इसे जल्द खाली करना पड़ेगा। यूएन जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर बार-बार भारत के केंद्रशासित प्रदेश से जुड़े इस मामले को उठाने की पाकिस्तान की नापाक कोशिश की भी भारतीय राजदूत ने आलोचना की। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान शांति चाहता है तो उसे सबसे पहले आतंकवाद और भारत के खिलाफ नफरत फैलाना बंद करना पड़ेगा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में यूएन शांति अभियानों में अनुकूलता को बढ़ावा देने के मामले पर आयोजित की गई एक खुली बहस में भारत की प्रतिक्रिया के रूप में हरीश ने यह बयान दिया। जो पाकिस्तान की तरफ से प्रधानमंत्री के विशेष सहायक सैयद तारिक फातमी के परिषद में जम्मू-कश्मीर का जिक्र करने के बाद दिया गया।

यूएन के शांति अभियानों के मामले पर कहा, शांति सैनिकों की क्षमता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करें तमाम देश

विभाजनकारी एजेंडे को बढ़ाता पाकिस्तान

भारत के राजदूत ने पाकिस्तान को हिदायत देते हुए कहा कि वह अपने संकीर्ण और विभाजनकारी एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए संयुक्त राष्ट्र के वैश्विक मंच का प्रयोग ध्यान भटकाने के लिए न करे। भारत मामले पर और अधिक विस्तृत ढंग से जवाब देने के अपने अधिकार का प्रयोग करेगा।

शांति सैनिकों की क्षमता बढ़ाई जानी चाहिए

यूएन शांति सेना से जुड़े अभियानों को आधुनिक बनाने के विषय पर हुई एक बैठक में भी पी.हरीश ने भारत का पक्ष रखा। उन्होंने कहा, यूएन में शांति स्थापना का प्रयास बगैर जोखिम वाला है। शांति सैनिकों की सुरक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए। क्योंकि इन्हें गैर-सरकारी तत्वों, सशस्त्र समूहों और आतंकवादियों से जूझना पड़ता है। एक ऐसी रणनीति को अपनाने की आवश्यकता है, जिसमें भूतकाल से सीख लेते हुए वर्तमान और भविष्य के लिए कार्य किया जाए। इसके अलावा मामले पर किसी भी तरह की पुनर्समीक्षा व शांति स्थापना से जुड़े ढांचे को पुनः स्थापित करने का कोई भी प्रयास आम सहमति से किया जाना चाहिए।

जम्मू-कश्मीर पर उठाए अहम कदम

वहीं, इस महीने 5 मार्च को विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने अपनी लंदन यात्रा में कहा था कि पाकिस्तान द्वारा पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) को खाली करने के साथ ही जम्मू-कश्मीर की समस्या का पूरी तरह से समाधान निकल जाएगा। भारत ने इसका काफी हद तक समाधान कर दिया है। इसमें तीन अहम कदम उठाए गए हैं। पहला, जम्मू-कश्मीर से 5 अगस्त 2019 को हटाई गई धारा-370, दूसरा विकास, सामाजिक-आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देना और तीसरा व अंतिम क्षेत्र में कराए गए चुनाव हैं। अब हम जम्मू-कश्मीर के जिस भाग का इंतजार कर रहे हैं। वो पाकिस्तान द्वारा अवैध कब्जा किया हुआ पीओके है। इसके भारत के पास वापस आते ही इस समस्या का पूरी तरह से समाधान हो जाएगा।

पाक के खोखले दावों से फर्क नहीं पड़ता

हरीश ने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर को लेकर समय-समय पर दोहराए जाने वाले पाकिस्तान के दावे न तो केंद्रशासित प्रदेश पर किए गए उनके अवैध कब्जे को मान्य करते हैं और न ही पाकिस्तान द्वारा बढ़ावा दिए जाने वाले या पाक प्रायोजित सीमापार आतंकवाद को उचित ठहराते हैं। इसलिए पाकिस्तान को जम्मू-कश्मीर से अपना अवैध कब्जा खाली करना पड़ेगा। इसके अलावा उसे यूएन जैसे इस मंच का प्रयोग पुराने विवाद को तूल देने की जगह पर शांति के लिए करना चाहिए। भारत, पाकिस्तान के साथ मधुर संबंधों का इच्छुक है। लेकिन इसके लिए उसे आतंकवाद रहित माहौल बनाना पड़ेगा। यहां बता दें कि बीते सप्ताह ही पाकिस्तान ने भारत पर जम्मू-कश्मीर में मानवाधिकार उल्लंघन का आरोप लगाया था। जिसे जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) की एक बैठक में भारत ने सिरे से खारिज कर दिया था।

तकनीकी उन्नति से बढ़ी चुनौती

तकनीकी उन्नति और नई पीढ़ी के हथियारों ने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। जिनमें गलत सूचना, हेच स्पीच का प्रचार-प्रसार और ड्रोन, आईईडी का इस्तेमाल शामिल है। भारत के राजदूत ने मांग की कि दुनिया में बने हुए चुनौतीपूर्ण जटिल संघर्षों के दौर में शांति सैनिकों के खिलाफ अपराध करने वाले लोगों को न्याय के कटघरे में खड़ा किया जाना चाहिए। यूएन शांति मिशन के तहत शत्रुतापूर्ण वातावरण में प्रभावी ढंग से काम करने वाले सैन्य या पुलिस योगदान देने वाले देशों को अपने कर्मियों की क्षमता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित पर भी उन्होंने जोर दिया। साथ ही कहा कि भारत यूएन शांति स्थापना केंद्र में आधुनिक शांति स्थापना की विशिष्ट मांगों की पूर्ति के लिए जरूरी पाठ्यक्रमों को तैयार और प्रस्तुत करने के लिए तैयार है। यह वह पाठ्यक्रम है, जिसके जरिए पिछले करीब बीस वर्षों से राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय शांति सैनिकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। शांति सैनिकों को अभियानों के लिए पर्याप्त फंडिंग मिलनी चाहिए। इसे लेकर वैश्विक दक्षिण के देश खासे चिंतित हैं।

फोगाट को सिल्वर मेडल के समकक्ष लाभ देने के लिए मांगा जाएगा विकल्प

विधायक फोगाट को स्पेशल मामला मानकर खेल नीति का लाभ देने के लिए किया जाएगा कंसीडर

मुख्यमंत्री सैनी की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिमंडल की बैठक में लिया

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को कहा कि हरियाणा की बेटी विनेश फोगाट को खेल नीति के तहत सिल्वर मैडल के समकक्ष लाभ देने के लिए मंत्रिमंडल ने उनसे विकल्प लेने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश की खेल नीति के तहत ओलंपिक खेलों में सिल्वर पदक विजेता को तीन तरह के लाभ मिलते हैं जिसमें 4 करोड रुपए का नगद पुरस्कार, ग्रुप 'ए' की ओएसपी नौकरी और एचएसवीपी का प्लॉट आबंटन शामिल है।

मुख्यमंत्री चंडीगढ़ में मंत्रिमंडल की बैठक के बाद पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विनेश फोगाट ने विधानसभा में यह मामला उठाया था। आज मंत्रिमंडल की बैठक में इस पर विचार करते हुए विनेश फोगाट को स्पेशल केस मानकर उन्हें लाभ देने के लिए कंसीडर किया गया है, क्योंकि विनेश फोगाट अब विधायक हैं इसलिए

कैबिनेट ने फैसला लिया है कि वह क्या-क्या लाभ लेना चाहती हैं इस संबंध में उनसे जानकारी मांगी जाएगी। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि पेरिस ओलंपिक में विनेश फोगाट एक प्रोसीजर के तहत बाहर हुई थी और उस समय जो परिस्थिति बनी थी तब उन्होंने ट्वीट कर कहा था कि हमारी बेटी हरियाणा की शान विनेश फोगाट के सम्मान को कम नहीं होने देंगे।

पंजाब के युवा और किसान पीएम मोदी के साथः सीएम

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब के किसान उनसे मिलने आए थे जिसमें 15-20 सरपंच शामिल थे और अधिकतर युवा सरपंच थे। पंजाब के किसानों ने उन्हें कई कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पंजाब के युवा और किसान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ चलने का मन बना लिया है। पंजाब के लोग कांग्रेस और आम आदमी पार्टी दोनों से आहत हैं और कमल की तरफ बढ़ने का काम कर रहे हैं। पंजाब के किसान मोदी जी को अपना रोल मॉडल मान रहे हैं। देश का जन-जन मोदी की नीतियों से प्रभावित है। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा, विधायक सतपाल जांबा, सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक श्री के मकरंद पांडुरंग और मीडिया सचिव प्रवीण आत्रेय भी उपस्थित थे।

32 लाख मुसलमानों को 'ईदी' बांटेगी भाजपा

'सौगात-ए-मोदी' किट में सेंवइयां कपड़े, खजूर व मेवे होंगे शामिल

निजामुद्दीन से शुरू किया गया यह अभियान

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

ईद से पहले भाजपा गरीब मुसलमानों को तोहफा बांटने का अभियान शुरू कर रही है। भाजपा के अल्पसंख्यक 'सौगत-ए-मोदी' अभियान चलाकर 32 लाख गरीब मुसलमानों को गिफ्ट देगी। मंगलवार को यह अभियान दिल्ली के निजामुद्दीन से शुरू किया। अभियान की निगरानी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा करेंगे। भाजपा का कहना है कि गरीब मुसलमान भी शान से ईद मना सकें, इसके लिए उन्हें एक किट गिफ्ट की जाएगी।

32 हजार कार्यकर्ताओं को दी जिम्मेदारी

भाजपा के 32 हजार कार्यकर्ताओं को यह काम सौंपा गया है। भाजपा का हर कार्यकर्ता एक मस्जिद की जिम्मेदारी लेगा। इस तरह से देशभर में 32 हजार मस्जिदों को कवर किया जाएगा। अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने कहा कि ईद, भारतीय नववर्ष, नौरूज, ईस्टर, गुड फ्राइडे को देखते हुए यह अभियान चलाया जा रहा है।

किट में ये होगा

सौगात-ए-मोदी किट में कपड़े, सेंवइयां, खजूर, मेवे और चीनी होगी। इसके अलावा महिलाओं को दी जाने वाली किट में सूट का कपड़ा होगा और पुरुषों की किट में कुर्ता पायजामा का कपड़ा होगा। बताया जा रहा एक किट की कीमत 500 से 600 रुपए होगी।

9 साल से नहीं मिला मुआवजा, अब 89 लाख रु.दें

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक डॉक्टर की विधवा को मुआवजा नहीं देने के लिए उत्तराखंड सरकार को फटकार लगाई है। महिला नौ सालों से मुआवजे के लिए मुकदमा लड़ रही है। महिला के पति की साल 2016 में कम्युनिटी हेल्थ सेंटर में ड्यूटी के दौरान मौत हो गई थी। उस वक्त की तत्कालीन सरकार ने परिवार के लिए 50 लाख के मुआवजे की घोषणा की थी, जो अब तक नहीं मिला है। लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार कोर्ट ने कहा कि वह उत्तराखंड सरकार की इस बात से नाराज है कि डॉक्टर का परिवार मुआवजे के लिए मुकदमा लड़ने के लिए मजबूर है इसलिए अब इन सालों के इंटरेस्ट के साथ उन्हें मुआवजा दिया जाए। कोर्ट ने राज्य सरकार को पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपए देने का आदेश दिया है।

पहले दिया गया था यह फैसला

जस्टिस जेके महेश्वरी और जस्टिस अरविंद कुमार की बेंच राज्य सरकार की स्पेशल लीव पेटीशन पर सुनवाई कर रही थी। हाईकोर्ट ने साल 2018 में राज्य सरकार को पीड़ित परिवार को 1.99 करोड़ के मुआवजे का निर्देश दिया था। हाईकोर्ट ने याचिका दाखिल किए जाने से फैसला सुनाए जाने तक 7.5 पर्सेंट सालाना ब्याज के साथ विधवा को 1.99 करोड़ देने का आदेश दिया था, साथ ही राज्य के मेडिकेयर सर्विस पर्संस एंड इंस्टीट्यूशन एक्ट, 2013 के प्रवधानों को लागू करने और परिवार को अतिरिक्त पेंशन लाभ देने के लिए भी कहा था।

11 लाख रुपए की कटौती की

राज्य सरकार ने कोर्ट को बताया कि परिवार को 11 लाख पहले ही दिए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि साल 2021 के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर परिवार को छुट्टियों का पैसा, ग्रैचुटी, जीपीएफ, फैमिली पेंशन और जीआईएस दिया गया, जबकि उनके बेटे को हेल्थ डिपार्टमेंट में जूनियर असिस्टेंट के तौर पर नियुक्ति भी दी गई। इसके बाद कोर्ट ने 1 करोड़ में से 11 लाख हटाकर मुआवजा राशि 89 लाख रुपए कर दी है।

अप्रूवल के बाद भी राशि नहीं दी गई

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार के चीफ सेक्रेटरी की ओर से 50 लाख रुपए के मुआवजे का प्रस्ताव दिए जाने और मुख्यमंत्री की ओर से उसे अप्रूव किए जाने के बाद भी पीड़ित परिवार को राशि नहीं दी गई, जबकि उनसे कहा गया कि अप्रूवल नहीं मिला है। याचिकाकर्ता का कहना है कि अब तक सिर्फ एक लाख रुपए अनुग्रह राशि के तौर पर परिवार को दिए गए।

सब्जियों की कीमतों में गिरावट से थोक महंगाई घटी

थोक महंगाई घटकर 2.31 फीसदी, रोजाना जरूरत के सामान, खाने-पीने की चीजें हुई सस्ती

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

खाद्य वस्तुओं खासकर सब्जियों की कीमतों में गिरावट से थोक मुद्रास्फीति मासिक आधार पर जनवरी में घटकर 2.31 प्रतिशत हो गई। शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली।

थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति दिसंबर 2024 में 2.37 प्रतिशत और जनवरी 2024 में 0.33 प्रतिशत थी। आंकड़ों के अनुसार, खाद्य वस्तुओं की महंगाई जनवरी में घटकर 5.88 प्रतिशत रह गई, जबकि दिसंबर 2024 में यह 8.47 प्रतिशत थी। सब्जियों की महंगाई उल्लेखनीय रूप से घटकर 8.35 प्रतिशत रह गई, जबकि दिसंबर 2024 में यह 28.65 प्रतिशत थी।

खुदरा महंगाई में भी आई थी नरमी

खुदरा मुद्रास्फीति के बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, खाद्य वस्तुओं की कीमतों में नरमी से उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति जनवरी में घटकर पांच महीने के निचले स्तर 4.31 प्रतिशत पर आ गई।

मौसमी सुधार से खाद्य पदार्थों की कीमतें सुधरेगी

केयर रेटिंग्स की मुख्य अर्थशास्त्री रजनी सिन्हा के अनुसार मौसमी सुधार के कारण आने वाले महीनों में खाद्य पदार्थों की कीमतों में कमी आने की संभावना है। हालांकि, वैश्विक जिंस कीमतों के मोर्चे पर कुछ बाधाएं हैं।

ईंधन तथा बिजली श्रेणी में महंगाई घटी

ईंधन तथा बिजली श्रेणी में जनवरी में मुद्रास्फीति 2.78 प्रतिशत घटी जबकि दिसंबर में यह 3.79 प्रतिशत थी। विनिर्मित वस्तुओं में मुद्रास्फीति दिसंबर 2024 के 2.14 प्रतिशत की तुलना में जनवरी 2025 में 2.51 प्रतिशत हो गई।

- थोक मूल्य सूचकांक दिसंबर 2024 में 2.37 फीसदी रहा
- खाद्य वस्तुओं की महंगाई जनवरी में घटकर 5.88 प्रतिशत रही
- आलू की महंगाई 74.28 प्रतिशत पर उच्च स्तर पर बनी रही

प्याज की कीमतों में वृद्धि

आलू की महंगाई 74.28 प्रतिशत पर उच्च स्तर पर बनी रही और प्याज की मुद्रास्फीति जनवरी में बढ़कर 28.33 प्रतिशत हो गई। इस दौरान टमाटर की कीमतों में गिरावट आई। अंडा, मांस और मछली श्रेणी में मुद्रास्फीति बीते महीने के 5.43 प्रतिशत से घटकर 3.56 प्रतिशत रह गई।

एमपी में बनेंगे 4 बड़े कॉरिडोर, 3 राज्यों को सीधा जोड़ेगी 8 लेन चौड़ी हाईस्पीड सड़क

भोपाल। मध्यप्रदेश में कई बड़े कॉरिडोर बनाए जाने की योजना है। इनके माध्यम से देश के प्रमुख शहरों और राज्यों को सीधा जोड़ा जाएगा। प्रदेश के जबलपुर से ये कॉरिडोर बनाए जाएंगे। एमपी के लोक निर्माण मंत्री पीडब्लूडी राकेश सिंह ने इस संबंध में अपने एक्स हेंडल पर जानकारी दी। कॉरिडोर निर्माण के संबंध में उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की फोटो भी ट्वीट की। खास बात यह है कि जबलपुर से हाईस्पीड कॉरिडोर प्रस्तावित किए गए हैं जोकि 8 लेन तक चौड़े होंगे। ये यूपी के यमुना एक्सप्रेस वे और महाराष्ट्र के मुंबई एक्सप्रेस वे की तरह के होंगे। एमपी में अभी तक एक भी हाईस्पीड कॉरिडोर नहीं हैं। मध्यप्रदेश में एक दो नहीं बल्कि 4 हाई स्पीड कॉरिडोर बनाने की तैयारी की जा रही है। ये कॉरिडोर जबलपुर को केंद्र बनाकर बनाने का प्रस्ताव है। प्रदेश के पीडब्लूडी मिनिस्टर राकेश सिंह ने अपने एक्स हेंडल पर यह जानकारी दी। एमपी में अनेक नेशनल हाईवे हैं और दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस वे भी तीन जिलों से गुजर रहा है लेकिन यूपी के यमुना एक्सप्रेस के जैसा हाई स्पीड कॉरिडोर एक भी नहीं है। ये कॉरिडोर आमतौर पर 8 लेन के और कम से कम 6 लेन के होते हैं। हाई स्पीड कॉरिडोर की सड़कें बिल्कुल सीधी होती हैं जिनमें गति के साथ कोई समझौता नहीं किया जाता। कॉरिडोर को स्पीड सेंसर, जीपीएस ट्रैकर जैसी सुविधाओं के साथ एक्सीडेंट फ्री बनाने पर जोर दिया जाता है। इसके लिए कॉरिडोर को दोनों ओर से कवर किया जाता है, ताकि सड़कों पर वाहन तो सरपट दौड़ते रहें लेकिन दुर्घटना भी न हो। प्रदेश के पीडब्लूडी मंत्री राकेश सिंह के अनुसार जबलपुर से 4 हाई स्पीड कॉरिडोर का प्रस्ताव है। इन कॉरिडोर में एक एक महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ को जोड़ेगा जबकि यूपी को जोड़ने के लिए 2 कॉरिडोर बनेंगे। हाई स्पीड कॉरिडोर में जबलपुर से अंबिकापुर-वाराणसी और जबलपुर से प्रयागराज एमपी को यूपी से जोड़ेंगे। महाराष्ट्र के लिए जबलपुर से नागपुर कॉरिडोर प्रस्तावित है। लखनादौन से रायपुर हाईस्पीड कॉरिडोर छत्तीसगढ़ से जोड़ने के लिए बनाने की योजना है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

'बाल रक्षक' चाइल्ड-फ्रेंडली पुलिसिंग पहल का शुभारंभ

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। बाल रक्षा भारत (सेव द चिल्ड्रन) बच्चों को हानि, शोषण और दुर्व्यवहार से बचाने के लिए समर्पित है और इसकी बाल संरक्षण नीति (#Child #Safeguarding #Policy) जागरूकता, रोकथाम, रिपोर्टिंग और प्रतिक्रिया पर जोर देती है। संगठन सुरक्षा और जवाबदेही की संस्कृति को बढ़ावा देता है, जहां नेतृत्व सुनिश्चित करता है कि सभी सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन किया जाए। शून्य-सहिष्णुता नीति (Zero-Tolerance Policy) लागू की गई है, जिसके तहत किसी भी कर्मचारी, साझेदार या सहयोगी द्वारा बच्चों को किसी भी प्रकार की क्षति पहुंचाने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई, बर्खास्तगी, आपराधिक कार्यवाही या अनुबंध समाप्ति जैसे कड़े कदम उठाए जाएंगे।

इसी लक्ष्य को आगे बढ़ाते हुए, #यूनिसेफ #इंडिया ने 'बाल रक्षक' चाइल्ड-फ्रेंडली पुलिसिंग पहल का शुभारंभ 25 मार्च 2025 को मीरा भयंदर-वसई-विरार पुलिस आयुक्त श्री माधुकरी पांडे जी के नेतृत्व में आयुक्त कार्यालय, रामनगर में किया।

इस पहल की परिकल्पना महाराष्ट्र के माननीय मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस जी द्वारा की गई थी, जिसे आयुक्त श्री माधुकरी पांडे जी ने प्रभावी रूप से लागू किया है, ताकि बाहरी प्रभावों से प्रभावित और जोखिमग्रस्त बच्चों की सहायता की जा सके और उन्हें आवश्यक सुरक्षा व समर्थन प्रदान किया जाए। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ चैरिटेबल ट्रस्ट ने भी इस महान कार्य के लिए अपना पूर्ण समर्थन देने का संकल्प लिया है, जिससे बच्चों की सुरक्षा के लिए सामूहिक प्रयास को और मजबूती मिले। इस पहल को डॉक्टरों, वकीलों, प्राचार्यों, अधिवक्ताओं, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, सामाजिक कार्यकर्ताओं और गैर-सरकारी संगठनों (NGOs) का जबरदस्त समर्थन प्राप्त हुआ है, जो सभी मिलकर बच्चों के लिए एक सुरक्षित वातावरण बनाने के लिए प्रयासरत हैं। हम सभी नागरिकों से आग्रह करते हैं कि वे इस महान पहल में शामिल हों और अपना समर्थन दें, जिससे बच्चों का भविष्य अधिक सुरक्षित और उज्जवल बनाया जा सके। हम माननीय मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस जी को इस महान पहल की शुरुआत करने और आयुक्त श्री माधुकरी पांडे जी एवं उनकी टीम को मीरा भयंदर-वसई-विरार में इसे सफलतापूर्वक लागू करने के लिए हार्दिक धन्यवाद देते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

दिशा पटानी का भी दमदार अंदाज

बॉलीवुड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा की अपकमिंग फिल्म 'योद्धा' का फैंस काफी लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म के नाम से ही साफ पता चल रहा है कि इसमें कमाल के एक्शन सीन्स देखने को मिलने वाला है। तभी तो फैंस इस फिल्म की रिलीज होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में हाल ही में फिल्म के मेकर्स ने फिल्म का टीजर शेयर कर दिया है, जिसे देख फैंस के बीच खलबली मच गई है। 'योद्धा' के टीजर में सिद्धार्थ ताबड़तोड़ एक्शन और फाइट करते दिखाई दे रहे हैं। टीजर की शुरूआत एक प्लेन के हाईजैक से होती है। जहां धांसू स्टाइल में सिद्धार्थ मल्होत्रा कमांडो के तौर पर एंट्री लेते हैं, और फिर दुश्मनों के पसीने छुड़ाते नजर आते हैं। वहीं 'योद्धा' के टीजर में जहां एक तरफ सिद्धार्थ मल्होत्रा आतंकियों के साथ जबरदस्त एक्शन करते दिखाई दे रहे हैं। वहीं दिशा पाटनी इसमें एयर होस्टस के किरदार में नजर आती हैं। हालांकि टीजर में उनकी सिर्फ एक झलक ही देखने को मिलती है। लेकिन एक्ट्रेस की वह एक झलक ही इतनी दमदार है कि एक्ट्रेस के किरदार को जानने की एक्साइटमेंट बढ़ा रही है।फिल्म के टीजर ने सोशल मीडिया पर आते ही तहलका मचा दिया है। फैंस 'योद्धा' के टीजर को काफी पंसद कर रहे हैं।

डॉन 3 में ये एक्ट्रेस लेगी प्रियंका चोपड़ा की जगह

फरहान अख्तर ने जब से डॉन 3 का ऐलान किया है तब से ये फिल्म खूब सुर्खियों में बनी हुई है। जहां एक तरफ लीड एक्टर के तौर पर रणवीर सिंह को फिल्म में कास्ट किया गया तो वहीं दूसरी तरफ इस बात की भी चर्चा शुरू हो गई आखिर फिल्म में कौन सी एक्ट्रेस नजर आएगी? वो कौन होगी जो प्रियंका चोपड़ा की जगह लेगी? अब बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट की मानें तो इन सवालों का जवाब मिल गया है। रिपोर्ट में डॉन 3 के लिए कियारा आडवाणी का नाम बताया जा रहा है। सूत्र के हवाले से बताया गया कि फरहान को लगता है कि कियारा इसके लिए फिट हैं। वहीं कियारा भी इस फिल्म का हिस्सा बनने के लिए काफी एक्साइटेड हैं। जानकारी दे दें कि 19 फरवरी को फरहान के प्रोडक्शन हाउस एक्सेल एंटरटेनमेंट ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी लगाई, जिसमें बताया गया कि 20 फरवरी को डॉन 3 से जुड़ा कुछ बड़ा ऐलान होने वाला है। ऐसे में अब कहा जा रहा है कि हो सकता है कि प्रोडक्शन हाउस की तरफ से जिस घोषणा की बात की जा रही है, वो कियारा आडवाणी के बारे में ही हो। प्रियंका चोपड़ा की जगह लेंगी जहां डॉन में बतौर लीड एक्टर रणवीर ने शाहरुख की जगह ली तो वहीं अब इस रिपोर्ट के अनुसार कियारा प्रियंका की जगह ले सकती हैं। डॉन के पिछले दोनों पार्ट में प्रियंका ही दिखी थीं। उन्होंने मोना का रोल प्ले किया था। लोगों ने उन्हें उस किरदार में खूब पसंद किया था।

रोहित ने जांची अर्जुन की खलनायक बनने की क्षमता

अर्जुन कपूर उन अभिनेताओं में से हैं, जो फिल्मी परिवार से होने के बावजूद भी इंडस्ट्री में संघर्ष कर रहे हैं। डेब्यू के 12 साल बाद अब अर्जुन किरदारों के साथ प्रयोग करने का मन बना चुके हैं। वह रोहित शेट्टी की 'सिंघम अगेन' में खलनायक बन धमाल मचाने वाले हैं। अभिनेता को इस रूप में देखने के लिए दर्शक बेकरार हैं। इस बीच अब अर्जुन ने खुलासा किया है कि रोहित ने उन्हें खलनायक बनने के लिए प्रेरित किया। अर्जुन ने 'सिंघम अगेन' के उनके नए अवतार के बारे में खुलासा किया और कहा कि उन्होंने इस भूमिका को निभाने के लिए बहुत मेहनत की है।